विविध

रक्षोपाय महानिदेशालय की कुछ राजभाषा संबंधी गतिविधियाँ

1) कार्यान्वयन समिति की बैठक वर्ष 2013 -14

वर्ष में प्रत्येक तिमाही में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक राजभाषा के नियमों के अनुसार आयोजित की जानी आवश्यक है।

वर्ष 2013- 2014 की पहली कार्यान्वयन समिति की बैठक

इस वर्ष 2013- 2014 की पहली कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 5/4/2013 को महानिदेशक श्री जी. एस .सरना की अध्यक्षता में आयोजित की हुई। बैठक में **सहायक आयुक्त श्री** मनीष कुमार के साथ ही साथ अन्य सभी कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे । बैठक में ली गई उपस्थिति एवं अनुपालन रिपोर्ट निरीक्षण महानिदेशालय को प्रेषित की गई ।

वर्ष 2013-14 की द्वितीय कार्यान्वयन समिति की बैठक

वर्ष 2012-13 की द्वितीय बैठक दिनांक 9/9/2013 को अपर आयुक्त, श्रीमती एच. एम. अनाल की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। इस बैठक की उपस्थिति, कार्यवृत्त एवं अनुपालन रिपोर्ट सूचना हेतु निरीक्षण महानिदेशालय को प्रेषित की गयी ।

वर्ष 2013-14 की तृतीय कार्यान्वयन समिति की बैठक

वर्ष 2013-14 की तृतीय बैठक 17/12/2013 को महानिदेशक श्री रमेश कुमार सिंगला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । बैठक में सर्वप्रथम पूर्व बैठक की अनुपालन रिपोर्ट से महानिदेशक को अवगत कराया गया तदोपरांत इस तिमाही के मुददों पर प्रकाश डाला गया । बैठक की उपस्थिति, कार्यवृत्त निरीक्षण महानिदेशालय को प्रेषित भी किये गए ।

वर्ष 2013-14 की चतुर्थ कार्यान्वयन समिति की बैठक

वर्ष 2013-14 की चतुर्थ बैठक दिनांक 31/3/2014 को महानिदेशक श्री आर. के. सिंगला की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सर्वप्रथम, पूर्व बैठक में तय किए गए मुद्दों का अनुपालन किया गया है अथवा नहीं उस पर चर्चा हुई और प्रगति की समीक्षा की गई, तदुपरांत अगली तिमाही में किए जाने वाले कार्यों की सूची तैयार की गई।

विशेष –वर्ष 2012-13 में हिन्दी प्रोत्साहन योजना के तहत पुरुस्कृत अधिकारी /कर्मचारी

राजभाषा विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं क-2 के तहत सरकारी कामकाज मे मूल हिंदी मे आलेखन/ टिप्पण

राजभाषा विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या 11/12013/18/93-राजभाषा (नि.2) दिनांक 16 सितम्बर 1988 के अनुसरण मे रक्षोपाय महानिदेशालय केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क , नई दिल्ली में सरकारी कामकाज में मूलरूप से हिन्दी टिप्पण और आलेखन प्रोत्साहन योजना के तहत वर्ष 2012-13 में अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा हिन्दी में किए गए कार्य के आधार पर मूल्यांकन समिति की सिफ़ारिश के आधार पर 4 कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया जिनका विवरण निम्न है-

1 श्री अभिनंदन चौरसिया (कर सहायक)
2 श्री सचिन कोडननी (निरीक्षक)
3 श्री ललन कुमार राही (वरिष्ठ कर सहायक)
4 श्री स्वपन मण्डल (कर सहायक)

हिन्दी कार्यशालाएं

राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के अनुपालनार्थ रक्षोपाय महानिदेशालय मे वर्ष 2013-14 मे आयोजित हिन्दी कार्यशालाएँ -

इस वर्ष की प्रथम कार्यशाला दिनांक 19/9/2013 को आयोजित की गई । कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप मे श्री सुभाष चन्द्र पाण्डेय, सहायक निदेशक (राजभाषा) को आमंत्रित किया गया । कार्यक्रम का उदघाटन महानिदेशक श्री राम तीर्थ द्वारा किया गया। कार्यशाला में निर्यात संवर्धन महानिदेशालय के अपर महानिदेशक श्री के. पी. सिंह, उप निदेशक श्री सुनील कुमार एवं अन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया।

कार्यशाला का मुख्य लक्ष्य, कार्यालय में हिन्दी के प्रयोग को सरल एवं सहज कैसे बनाया जाए , आलेखन एवं टिप्पण का अभ्यास और हिन्दी से संबन्धित इलेक्ट्रानिक उपकरणों का प्रयोग दैनंदिन कार्यालय के कार्य में कैसे किया जाए था। इस कार्यशाला को 75 मिनिट के 4 सत्रो में विभाजित किया गया और निम्नलिखित विषयों पर विशेषज्ञ द्वारा चर्चा की गई-

1) राजभाषा से संबन्धित संवैधानिक प्रावधान।

2) राजभाषा के क्रियान्वयन का औचित्य एवं प्रासंगिकता।

3) कार्यालय के कार्य हेतु प्रयुक्त भाषा –हिन्दी बनाम अंग्रेजी।

4) अनुवाद के प्रावधान एवं मानक

5) राजभाषा के क्रियान्वयन में आ रही अड़चने और उनका निदान।

6) हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन का अभ्यास ।

7) अधिकारियों द्वारा विद्वान से प्रश्न-उत्तर एवं समस्याओं का हल।

विशेषज्ञ द्वारा उपर्युक्त सभी विषयों पर चर्चा की गई। उनके द्वारा राजभाषा के प्रयोग हेतु सभी को स्वतः सजग एवं प्रयासरत होने पर ज़ोर दिया गया। व्याख्यान के अंत में अधिकारियों द्वारा प्रश्न पूछे गए और श्री पांडे जी द्वारा उनका समाधान भी किया गया।

.....

हिन्दी कार्यशाला 6/12/2013

दिनांक 6/12/2013 को महानिदेशक श्री आर. के. सिंगला जी के अध्यक्षता मे कार्यशाला का आयोजन किया गया। विशेषज्ञ के रूप में निर्देशक (राजभाषा) गृह मंत्रालय श्री ए. के. मिश्रा को आमंत्रित किया गया।

कार्यशाला को 75 मिनिट के 4 सत्रों में विभाजित किया गया और निम्नलिखित विषयों पर विशेषज्ञ द्वारा चर्चा की गई-

1. कार्यशाला की प्रासंगिकता
2. केंद्र की राजभाषा नीति
3. शब्द ज्ञान
4. टिप्पण एवं आलेखन का अभ्यास
5. क्रियान्वयन में आ रही अडचने और उनका निदान।
6. उपस्थित अधिकारीगड़ों द्वारा विद्वान से प्रश्न उत्तर और समस्याओं का हल।

श्री मिश्रा ने हिन्दी भाषा को प्रयोग करते समय संप्रेषणीयता, स्पष्टता , छोटे वाक्य, प्रयोग हेतु सभी को स्वतः सजग एवं सचेष्ट होने के लिए कहा। श्री मिश्रा द्वारा टिप्पण एवं आलेखन का भरपूर अभ्यास कराया गया और समस्याओं का निवारण भी किया गया। यह अभ्यास सभी के लिए प्रासंगिक एवं हिन्दी में कार्यालय का कार्य करने हेतु उपयोगी साबित हुआ । श्री मिश्रा ने सभी को भाषा के आलंकारिक प्रयोग और पुनरावृत्ति से बचने का सुझाव दिया।

हिन्दी कार्यशाल 24/3/2014

इस वर्ष की तृतीय कार्यशाला दिनांक 24/3/2014 को आयोजित की गई जिसमे उपनिदेशक (राजभाषा) श्री आनंद कुमार को विशेषज्ञ के रूप मे आमंत्रित किया गया । कार्यशाला का शुभ आरंभ महानिदेशक श्री आर. के. सिंगला द्वारा किया गया। उप आयुक्त श्री मनीष कुमार द्वारा विशेषज्ञ का परिचय सभी से करवाया गया और कार्यालय की और से उनका स्वागत किया गया।

कार्यशाला को 75 मिनिट के 4 सत्रों में विभाजित किया गया और निम्नलिखित विषयों विशेषज्ञ द्वारा चर्चा की गई-

1 उदघाटन, विशेषज्ञ का परिचय, कार्यशाला की प्रसंगगिकता
2 केंद्र की राजभाषा नीतियों का परिचय, महत्व और क्रियान्वयन
3 विभागीय बैठकें एवं रिपोर्ट्स

4 हिन्दी प्रोत्साहन योजनाएँ

5 हिन्दी के प्रयोग को सहज बनाने के लिए उपलब्ध यांत्रिक उपकरण

श्री कुमार ने **केन्द्र की राजभाषा नीति के कियान्वयन में आ रही अड़चनें और उनका निदान के विषय में चर्चा की गई। राजभाषा नीति के कियान्वयन हेतु उल्लेखित सभी बिन्दुओं पर एक–एक कर श्री आनंद कुमार द्वारा प्रकाश डाला गया और सभी को स्वतः सजग एवं सचेष्ट होने के लिए जोर दिया गया।** श्री कुमार द्वारा **विभागीय बैठकें** एवं रिपोर्टों **पर भी प्रकाश** डाला गया। उन्होंने हिन्दी तिमाही रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट की चर्चा की और किस प्रकार आकड़ों का संकलन किया जाए उसपर प्रकाश डाला । कार्यालय में हिन्दी प्रोत्साहन योजनाएं में भाग लेना और योग्य अधिकारियों को पुरुस्कृत किए जाने के विषय पर श्री आनंद ने चर्चा की। हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन **को कैसे गति दी जाए इस पर भी सभी को सलाह दी गई।** बहुधा प्रयोग किए जाने वाले शब्द, मसौदे एवं टिप्पणी लिखने में व्यवहारिक हिन्दी का प्रयोग इत्यादि विषयों पर भी श्री **आनंद,** द्वारा सोदाहरण चर्चा की गई और अधिकाधिक कार्य हिन्दी में किए जाने पर ज़ोर डाला गया। **उनहोंने** हिन्दी के प्रयोग हेतु सभी को स्वतः सजग एवं सचेष्ट होने के लिए भी ज़ोर दिया। व्याख्यान के अंतिम सत्र में **श्री आनंद ने हिन्दी के प्रयोग को सहज बनाने के लिए उपलब्ध** यांत्रिक उपकरण **कौन से हैं उसपर विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला के अंत में** अधिकारियों द्वारा प्रश्न पूछे गए और श्री आनंद द्वारा उनका निराकरण भी किया गया।

रक्षोपाय महानिदेशालय की वर्ष 2016-17 में हिन्दी गतिविधियाँ

(क) वर्ष 2016-17 में आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

1. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पहली बैठक : 21/06/2016 : राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पहली बैठक का आयोजन संयुक्त आयुक्त महोदय श्री सुमित कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सहायक आयुक्त श्री कृष्ण मोहन, श्री मनमित एवं कार्यालय के सभी अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। बैठक में ली गई उपस्थिति एवं अनुपालन रिपोर्ट निष्पादन प्रबंधन महानिदेशालय को प्रेषित की गई।
2. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दुसरी बैठक : 23/09/2016: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दूसरी बैठक का आयोजन संयुक्त आयुक्त महोदय श्री सुमित कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ली गई उपस्थिति, कार्यवृत एवं अनुपालन रिपोर्ट निष्पादन प्रबंधन महानिदेशालय को प्रेषित की गई।
3. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तीसरी बैठक : 22/12/2016: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तीसरी बैठक का आयोजन संयुक्त आयुक्त महोदय श्री सुमित कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ली गई उपस्थिति, कार्यवृत एवं अनुपालन रिपोर्ट निष्पादन प्रबंधन महानिदेशालय को प्रेषित की गई।

(ख) वर्ष 2016-17 में आयोजित हिन्दी कार्यशालाओं की बैठक : 21/02/2016: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन संयुक्त आयुक्त महोदय श्री सुमित कुमार यादव की अध्यक्षता में हुआ। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद से संयुक्त निदेशक (राजभाषा), डॉपूरन पाल को आमंत्रित किया गया। .

कार्यशाला को मुख्यत: 75 मिनिट के तीन सत्रों में विभाजित किया गया । जिन विषयों पर चर्चा की गई वह निम्नानुसार है:-

(क) हिन्दी राजभाषा: राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा के रुप में और शासन की राजभाषा नीति।|

(ख) मसौदा लेखन और टिप्पणी लेखन।|

(ग) वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को कैसे प्राप्त किया जाये और सुझाव और प्रशनोत्तर (संदेह निवारण)।

उपर्युक्त विषयों पर दिये सारगर्भित एंव विश्लेषणात्मक व्याख्यान में डॉ. पूरन पाल महोदय ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नियमानुसार कार्यान्वयन एंव सरकारी कामकाज में हिन्दी को और अधिक गति देने हेतु भी अनुरोध किया। अधिकारियों द्वारा प्रश्न पूछे गए और डॉ. पूरन पाल महोदय द्वारा उनका निराकरण भी किया गया ।

(ग) दिनांक 08 सितम्बर, 2016 से 14 सितम्बर, 2016 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया।

(घ) हिन्दी पुस्तको की खरीद की गई।